# पाठ-4

E612IT

# नागरिक सुरक्षा

हम सभी लोग भारत के नागरिक हैं, चाहे गाँव में रहते हों अथवा नगर में। हमें समय-समय पर अनेक आपदाओं का सामना करना पड़ता है। बाढ़, भूकम्प, महामारी, दम घुटना के अतिरिक्त तथा दुर्घटनाएँ होना, जैसे- आग लगना, पानी में डूब जाना, करंट लगना इत्यादि के अलावा वाह्य आक्रमण आदि ऐसी अनेक परिस्थितियाँ आती हैं, जिनसे नागरिकों की सुरक्षा करनी पड़ती है।

(बच्चे कक्षा में बैठकर अपनी शिक्षिका से नागरिक सुरक्षा के बारे में चर्चा कर रहे हैं)

विकास-दीदी! नागरिकों की सुरक्षा कौन करता है ?

शिक्षिका-नागरिक सुरक्षा मूल रूप में नागरिकों की नागरिकों द्वारा रक्षा है। द्वितीय विश्व युद्ध के बाद हुई जान-माल की हानि को देखते हुए प्रत्येक देश ने अपने यहाँ नागरिक सुरक्षा संगठन की स्थापना की। जिसमें नागरिक स्वेच्छा से इसके सदस्य होते हैं। जो नागरिकों की सुरक्षा के लिए सभी प्रकार के बचाव कार्य एवं सेवाएँ प्रदान करते हैं।

सरला-अपने देश में नागरिक सुरक्षा संगठन की स्थापना कब हुई ?

शिक्षिका-भारत पर चीन के आक्रमण के पश्चात् सन् 1962 ई0 में नागरिक सुरक्षा संगठन की स्थापना हुई।

रफीक-नागरिक सुरक्षा संगठन का उद्देश्य क्या है ?

**रडार**

शिक्षिका-हवाई आक्रमणों से जन-धन की हानि को कम करना, औद्योगिक/कृषि क्षेत्र में उत्पादन बनाए रखना, जनता के मनोबल को बनाए रखना, प्राकृतिक आपदाओं के समय राहत एवं बचाव कार्य में सहयोग करना, शान्तिकाल में अधिकारियों/स्वयं सेवकों को प्रशिक्षित करना तथा अन्य सामाजिक व जन कल्याणकारी कार्य जैसे-पल्स पोलियो व महामारी की रोकथाम के लिए टीकाकरण आदि में सहयोग प्रदान करना ही इस संगठन का उद्देश्य है।

दीपा-दीदी! क्या सरकारी कर्मचारी भी इस संगठन के सदस्य हो सकते हैं ?

शिक्षिका-हाँ ! इस संगठन में उन सरकारी, गैर सरकारी एवं स्वयं सेवी संस्थाओं का भी सहयोग लिया जाता है जो स्वेच्छा से संगठन की सेवा करना चाहते हैं।

विकास-क्या नागरिकों की सुरक्षा का दायित्व केवल नागरिक सुरक्षा संगठन का ही है ?

शिक्षिका-नहीं ! यह दायित्व भारत के प्रत्येक नागरिक, प्रत्येक वर्ग, संस्था, स्थानीय संगठन, उद्योग एवं राजकीय तन्त्र का भी हैं। सभी के संयुक्त प्रयासों से ही नागरिक सुरक्षा का दायित्व पूर्ण हो सकता है।

सरला-दीदी नागरिकों को सबसे ज्यादा खतरा किससे होता है ?

शिक्षिका-दुश्मन देश द्वारा किए गए हवाई हमलों से।

सरला-इन हवाई हमलों से हमें क्या हानि होती है ?

शिक्षिका-दुश्मन देश द्वारा किए गए हवाई हमलों से हमारी सम्पत्ति, मकान, उद्योग और जन-हानि होती है।

रफीक-हवाई हमले के समय हमें किन बातों का विशेष ध्यान रखना चाहिए ?

शिक्षिका-ऐसी स्थिति में हमें अफवाहों से बचकर एक-दूसरे का सहयोग करना चाहिए।

दीपा-क्या हवाई हमले के समय हमें कोई चेतावनी नहीं दी जाती है ?

शिक्षिका-जब दुश्मन विमान द्वारा हवाई हमला होता है, उस समय विमान की दिशा और लक्ष्य की जानकारी रडार द्वारा प्राप्त होती है। तब प्रशासनिक अधिकारियों द्वारा क्षेत्रीय जनता को सूचना दी जाती है।

विकास-यह सूचना सबके पास इतनी जल्दी कैसे पहुँच जाती है ?

शिक्षिका-यह सूचना सबके पास मीडिया, ध्वनि एवं प्रकाश के माध्यम से पहुँचाई जाती है।

सरला-हवाई हमले के समय कौन-सा संकेत दिया जाता है ?

शिक्षिका-हवाई हमले के समय दिन में लाल झण्डी और रात्रि में लाल बत्ती दिखाई जाती है तथा दो-दो मिनट पर ऊँची नीची आवाज में सायरन बजाया जाता है।

इन्हें भी जानें
सूचना संकेत किसके लिए कब
पीला रंग प्रशासन हमले की संभावना पर
सफेद रंग प्रशासन हमला टल जाने पर
लाल रंग क्षेत्रीय जनता (नागरिक)हमला प्रारम्भ होने पर
हरा रंग प्रशासन, नागरिकहमला समाप्त होने पर

रफीक-दीदी ! हवाई हमले से बचने का क्या उपाय है ?

शिक्षिका-हवाई हमले से बचने के लिए सुरक्षित स्थान पर चले जाएँ, ज़मीन पर पेट के बल लेट जाएँ, कानों में रूई डाल लें तथा दाँतों के बीच लपेटा हुआ कपड़ा दबा लें।

दीपा-रात में हमले से बचने का क्या उपाय है ?

शिक्षिका-रात में हवाई हमले के समय दुश्मन को भ्रमित करने के लिए ब्लैक आउट किया जाता है।

विकास- ब्लैक आउट क्या हैं ?

शिक्षिका-दुश्मन देश को उसके लक्ष्य से भ्रमित करना ब्लैक आउट है। जैसे- समुद्र या नदियों के किनारे बल्ब आदि से प्रकाश करने पर दुश्मन वहाँ बस्ती समझकर बम गिरा सकते हैं जो पानी में निष्क्रिय हो जाएगा। इससे हम अपने धन-जन, मकान व उद्योग की रक्षा कर सकेंगे।

सरला-हवाई हमले के समय घायल नागरिकों का प्राथमिक उपचार कौन करता है ?

शिक्षिका-हवाई हमले के समय ही नहीं बल्कि अन्य आपदाओं के दौरान भी घायल नागरिकों को प्राथमिक उपचार प्रदान करने के लिए प्राथमिक चिकित्सीय सेवा महत्वपूर्ण योगदान देता है।

रफीक-आग लगने पर उसे बुझाने के क्या उपाय हैं ?

शिक्षिका-ठोस पदार्थ (लकड़ी, कोयला आदि) में आग लगने पर सीधे पानी डालकर बुझाना चाहिए। ज्वलनशील पदार्थ (पेट्रोल, डीज़ल आदि) में आग लगने पर हवा से सम्पर्क हटा देना चाहिए। गैस से आग लगने पर जूट की बोरी से ढककर आग बुझाना चाहिए, बिजली के सभी स्विच व उपकरण बन्द कर देना चाहिए, गैस के रेगुलेटर नॉब को बन्द कर देना चाहिए तथा घर के खिड़की दरवाजे को खोल देना चाहिए। बिजली से लगी आग पर पानी नहीं डालना चाहिए बल्कि बुझाने से पहले मेन स्विच से बिजली काट देनी चाहिए। शरीर में आग लगने पर कम्बल से शरीर को ढक देना चाहिए।

**इन्हें भी जानें-**

**आग बुझाने के उपकरण**

1.ड्राई पावडर अग्निशामक यन्त्र - यह बहते हुए द्रव पदार्थ की आग बुझाने के लिए प्रयोग किया जाता है। इसमें मुख्य रूप से सोडियम बाई कार्बोनेट का प्रयोग किया जाता है।

2.गैस टाइप अग्निशामक यन्त्र - इसमें गैसीय अवस्था में कार्बनडाईऑक्साइड का प्रयोग उन वस्तुओं में लगी आग को बुझाने में करते हैं जो पानी से खराब हो सकते हैं, जैसे- कागज, बही-खाता, कैश-बुक, करेन्सी नोट, कम्प्यूटर इत्यादि।

3.वाटर टाइप अग्निशामक यन्त्र - यह अग्निशामक यन्त्र पानी फेंकता है जिसमें ;ब्व्2द्ध पानी में घुली रहती है तथा कूलिंग मेथड से आग बुझाई जाती है।

4.फोम टाइप अग्निशामक यन्त्र- पेट्रोल, तेल आदि द्रव पद्राथों मंे लगी आग बुझाने के लिए फोम टाइप अग्निशामक यन्त्र प्रयोग किया जाता है। ये झाग द्वारा आग की सतह को ढककर उसे तुरन्त बुझा देता है।

दीपा-दीदी! दुर्घटना में हड्डी टूट जाने पर मरीज का कैसे प्राथमिक उपचार करना चाहिए ?

शिक्षिका-हड्डी टूट जाने पर तिकोनी पट्टी और खपच्ची (बाँस का छोटा टुकड़ा) का प्रयोग करके प्राथमिक उपचार करना चाहिए और तुरन्त नजदीक के अस्पताल में इलाज कराना चाहिए।

विकास-दीदी! दुर्घटना में रक्त-स्राव (खून बहना) रोकने के लिए क्या करना चाहिए ?

**प्राथमिक उपचार में प्रयोग की जाने वाली सामग्री**

शिक्षिका-घाव पर मेडिकेटेड रूई एवं पट्टी बाँधकर बहते हुए रक्त को रोकना चाहिए। घाव वाले अंग को ऊपर की तरफ करने से रक्त बहना रुक जाता है।

रफीक-दम घुटने पर क्या उपाय करना चाहिए ?

शिक्षिका-दम घुटने पर रोगी के कपड़ों को ढीला करके उसके मुँह में अपने मुँह से कृत्रिम श्वास फूँकना चाहिए और तत्काल नजदीक के डॉक्टर से सम्पर्क करना चाहिए।

इन्हें भी जानें-

1.बन्द कमरे में जलती हुई अँगीठी रखकर न सोएँ।

2.मच्छर काटने से बचने के लिए जो पदार्थ इस्तेमाल किए जाते हैं, जैसे- मच्छर-अगरबत्ती, स्प्रे आदि से श्वास की बीमारी हो सकती है।

3.मच्छर से बचने के लिए मच्छरदानी का प्रयोग करें।

4.कमरे में रूम-हीटर लगाकर न सोएँ।

**शब्दावली**

वार्डन-नागरिक-रक्षा के क्रियाकलापों का केन्द्र बिन्दु होता है। वह अपने क्षेत्र से अधिक से अधिक स्वयं सेवकों को एकत्र करके उन्हें नागरिक रक्षा के कार्यों की जानकारी तथा मार्गदर्शन देता है।

**अभ्यास**

**1. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दीजिए-**

**(क) हवाई हमले से बचने के क्या उपाय हैं ?**

**(ख) हवाई हमले से अपने घर को बचाने के लिए ब्लैक आउट करना क्यों आवश्यक है ?**

**(ग) नागरिक सुरक्षा संगठन का क्या उद्देश्य है ?**

**(घ) आग लगने पर किस तरह से बचाव करना चाहिए ?**

**(ङ) रसोई गैस से आग लगने पर बचाव के कौन-कौन से तरीके अपनाएंगे ?**

**2. रिक्त स्थानों की पूर्ति कीजिए-**

(क) नागरिक सुरक्षा संगठन प्राकृतिक आपदाओं के समय..................... कार्य में सहयोग करता है।

(ख) हवाई हमला बन्द हो जाने पर ............................................. रंग का प्रकाश दिखाया जाता है।

(ग) रात्रि में हवाई हमले के समय दुश्मन को भ्रमित करने के लिए .......................... किया जाता है।

(घ) पेट्रोल से लगी आग को ........................................................................ यंत्र से बुझाया जाता है।

(ङ) गैस की आग बुझाने के लिए...................................................................... की बोरी प्रयोग करते हैं।

3. निम्न कथनों में जो सही हो उनके आगे (ü) का चिह्न और जो गलत हो उनके आगे (ग) का चिह्न लगाइए-

(क) हवाई हमले की सम्भावना पर पीले रंग का संकेत दिया जाता है। ( )

(ख) दुर्घटना में रक्त स्राव होने पर कटे स्थान को खुला छोड़ देना चाहिए। ( )

(ग) हवाई हमले के समय कानों में रूई लगा लेना चाहिए तथा दाँतों के बीच लपेटा हुआ कपड़ा दबा लेना चाहिए। ( )

(घ) दम घुटने पर मरीज के शरीर की मालिश करना चाहिए। ( )

(ङ) युद्ध की सम्भावना टल जाने पर नीला प्रकाश संकेत दिया जाता है। ( )

(च) बिजली से लगी आग बुझाने के पहले मेन स्विच बन्द कर देना चाहिए। ( )

4. मिलान कीजिए-

लकड़ी द्रव्य

पेट्रोल ठोस

एल.पी.जी. धातु

मैग्नीशियम गैस

प्रोजेक्ट वर्क

आप अपने आस-पास के क्षेत्र में जा कर सूचना एकत्र करें कि क्या वहाँ कभी आग से दुर्घटना हुई ? यदि हाँ तो लोगों ने बचाव के लिए क्या उपाय किए ?

विद्यालय में आग लगने की घटना से बचने के लिए विद्यालय भवन के निर्माण में क्या सावधानी बरतनी चाहिए ? यदि आप के विद्यालय में आग लग जाए तो उसे बुझाने के लिए क्या उपाय करेंगें ?